लोकतंत्र का अर्थ है, सहिष्णुता, सहि

आज का SMS

Think of me and
keep in mind,
A faithful friend is
hard to find.
But if you find one
equal and true,
Never leave him
for the new.

पुलिस तंत्र में सुधार के लिए सिरसा से अभियान का आगाज

पत्रकारों से बातचीत करते अरिदमन जीत सिंह। (पंकज)

निशान व ऊर्जा संस्था के पदाधिकारियों ने अभियान की रूपरेखा के बारे में दी जानकारी

सिरसा, 11 जनवरी (महेंद्र): भारत की वर्तमान पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रजातांत्रिक बनाए जाने की आवश्यकता है। इसका मौजूदा ढांचा पाश्चातय सभ्यता की देन होने के साथ-साथ सैनिक संस्कार लिए हुए है। इन दोनों नकारात्मक तत्वों से इसे मुक्त करवाए बिना तमाम पुलिस सुधार नाकाम साबित होंगे। यह कहना है भारत में पुलिस सुधारों के लिए जन आंदोलन की पक्षधर निशान और उसकी इस कार्य में सहभागिनी बनी संस्था ऊर्जा का। आज एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में निशान व ऊर्जा के पदाधिकारियों ने अपने प्रस्तावित अभियान की रूप-रेखा के हर पहलू की जानकारी दी। दोनों संगठनों ने पुलिस व्यवस्था में सुधार को लेकर अपने देशव्यापी अभियान का आगाज जिला सिरसा से किया है। अभियान के मुख्य संचालक अरिदमन जीत सिंह के नेतृत्व में निशान व ऊर्जा के सदस्यों ने जोर देकर कहा है कि हालिया घटनाओं ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय पुलिस की कार्य शैली खामियों से भरपूर है। इसी वजह से आए दिन न्याय दिलवाने के लिए उत्तरदायी पुलिस पर अमानवीय अत्याचारों में संलिप्त होने के आरोप लगते रहते हैं।

उन्होंने कहा कि वर्तमान पुलिस के ढांचे में बदलाव न किया गया तो रुचिका हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू, जैसिका लाल और निठारी कांड जैसी घटनाएं यूं ही दोहराई जाती रहेंगी। सीमा सुरक्षा बल से सेवानिवृत्त होने के बाद निशान के बैनर तले पुलिस व्यवस्था पर शोध कर रहे अरिदमन कहते हैं कि उन्होंने हरियाणा को पुलिस सुधार आंदोलन का केंद्र बनाने का निर्णय लिया है तथा इस काम में सिरसा के ऊर्जावान नवयुवकों की संस्था ऊर्जा को सहभागी बनाया है।

उन्होंने बताया कि दोनों संगठन मिलकर इस मामले को जन आंदोलन का रूप देंगे तथा ऐसी स्थिति तैयार करेंगे, जिसमें राजनीतिक नेतृत्व इन बदलाव के लिए आवश्यक इच्छा शक्ति जुटा सकें। उन्होंने कहा कि दोनों टीमें साथ-साथ मिलकर कार्य करेंगी और दूसरे समान विचारों वाले संगठनों को भी इस मोर्चे के साथ जोड़ने का प्रयास करेगी। इस मौके पर निशान की सदस्या मनीषा सिंह, इंगलैंड की पूर्व विशेष पुलिस अधिकारी मलिशा गोर्डन, ऊर्जा संस्था के सुचान सिंह, सुरजीत सिंह, विक्रांत राठी व कविता जिंदल सहित संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे।